17 21.02.26

Sem - V

Subject - Psychology.
class - UG, sem -
Topic - school.
Role of Psychologists.
Unit - 02, Role/Fundamental of Clinical Psychologists in different fields.
Date -
Name - Dr. Shyam Sunder Sharma.

Ques:- विद्यालय (School) में मनोवैज्ञानिकों की भूमिका, कार्य एवं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य में उसके महत्व का विस्तृत वर्णन करें।

Ans. :- विद्यालय शिक्षा प्राप्त करने का केन्द्र तो है ही साथ ही साथ वहाँ बच्चों के मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक तथा नैतिक विकास का भी ध्यान रखने की आवश्यकता होती है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में छात्रों में तनाव, चिंता, भय, व्यवहार सम्बंधी समस्याएँ, सीखने की कठिनाइयाँ इत्यादि समस्याओं को दूर करने के लिए मनोवैज्ञानिकों की भूमिका अधिक बढ़ जाती है।

* विद्यालय में मनोवैज्ञानिकों की भूमिका:-
विद्यालय में मनोवैज्ञानिक छात्रों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित करता है। छात्रों की समस्या से अवगत होकर समाधान की दिशा में मार्गदर्शन करता है। मनोवैज्ञानिक छात्रों के व्यवहार, भावनाओं एवं सीखने की प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन करता है।

* मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन:-
(1) बुद्धि परीक्षण
(2) व्यक्तित्व परीक्षण
(3) योग्यता एवं अभिरुचि परीक्षण
(4) सीखने की कठिनाइयों का आकलन इत्यादि तथ्यों के माध्यम से छात्रों की मानसिक क्षमता, रुचि, कमजोरी एवं विशेष आवश्यकताओं की पहचान की जाती है।

P.T.O

* सीखने की कठिनाइयों का समाधान :-

बहुत से छात्र/छात्रा पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं जिनका कारण मानसिक कमजोरी नहीं बल्कि Learning Disability, ध्यान की कमी या भावनात्मक समस्याएं होती हैं। मनोवैज्ञानिक उसे समझकर विशेष शिक्षण की योजना बनाते हैं।

* परामर्श एवं मार्गदर्शन :-

मनोवैज्ञानिक विद्यालय में छात्रों को परीक्षा से सम्बंधी तनाव, आत्म-विश्वास की कमी, भय एवं चिंता, व्यवहार सम्बंधी समस्याओं इत्यादि से निपटने के लिए परामर्श देते हैं जिससे बच्चों में सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास तथा समस्या समाधान की क्षमता विकसित होता है।

* व्यवहार में सुधार :-

कुछ छात्रों में आक्रमकता, अनुशासनहीनता, जिद इत्यादि पाये जाते हैं जिसे मनोवैज्ञानिक तकनीकों के द्वारा सुधारने का प्रयास करते हैं।

* विद्यालय में मनोवैज्ञानिकों का महत्व :-

(1) छात्रों की समस्याओं की शीघ्र पहचान
(2) ड्रॉप-आउट दर में कमी
(3) शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार
(4) स्वस्थ व्यक्तित्व का विकास इत्यादि।

निष्कर्ष स्वरूप हम कह सकते हैं कि विद्यालय में मनोवैज्ञानिकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।